खबर संक्षेप

बाण गंगा मेला मैदान की सीमांकन प्रक्रिया तेज करने की मांग, सांसद को सौंपा ज्ञापन

शहडोल। शहर के प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल बाण गंगा मंदिर परिसर और बाण गंगा मेला मैदान की जमीन का सीमांकन शीघ्र कराए जाने की मांग को लेकर नगर पालिका परिषद शहडोल के वार्ड क्रमांक 17 के पार्षद प्रकाश नारायण शुक्ला ने शहडोल संसदीय क्षेत्र के सांसद को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बाण गंगा मंदिर एवं मेला मैदान वर्षों से धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजनों का केंद्र रहा है। यहां प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले मेला, मंदिर परिसर एवं गंगा स्नान हेतु बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। लगातार बढ़ते आयोजन, भीड़ और सुविधाओं के अभाव को देखते हुए परिसर का सीमांकन अत्यंत आवश्यक हो गया है, लेकिन कई वर्षों से यह प्रक्रिया अधूरी पड़ी है, जिससे विकास कार्य बाधित हो रहे हैं।

पार्षद ने सौंपा ज्ञापन

मंदिर परिसर एवं मेला मैदान की भूमि का सीमांकन कर राजस्व अभिलेखों में दर्ज किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अतिक्रमण की आशंका न रहे। मंदिर से लगती निजी भूमि का अधिग्रहण कर क्षेत्र का संरक्षण किया जाए, जिससे मेला और धार्मिक परंपरा सुरक्षित रह सके। परिसर में स्थित श्मशान घाट हेतु भूमि चिन्हित कर सीमांकन करते हुए नक्शा, खतरा नंबर और रकबा भी सार्वजनिक किए जाएं। बाण गंगा परिसर की भूमि पर प्रस्तावित सामाजिक एवं सार्वजनिक उपयोग की योजनाओं सडक़, पार्क, सभागार भवन आदि का विस्तृत नक्शा तैयार कर लोगों के लिए प्रदर्शित किया जाए। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि बाण गंगा परिसर से जन-भावनाएं गहराई से जुड़ी हैं, इसलिए इस क्षेत्र से संबंधित सभी मुद्दों का शीघ्र निराकरण कराया जाना आवश्यक है।

बरगवां मेला: परिषद की अवैध वसूली ने छीना ऐतिहासिक स्वरूप

ठेके में 57 हज़ार, वसूली में तीन गुना, डुप्लीकेट रसीदों से शुरू हुआ वसूली का खेल

अमलाई के प्राचीन बरगवां मेले की पहचान और अस्तित्व इन दिनों अवैध वसूली, प्रशासनिक उदासीनता और नगर परिषद की मनमानी के बोझ तले चरमराने लगी है। बैठकी और साइकिल स्टैंड से वसूली कर अपनी जेबें भरने के खेल में परिषद अध्यक्ष-उपाध्यक्ष से लेकर सीएमओ व कर्मचारी तक लगे दिखाई दे रहे हैं। अवैध रसीदों, दबंगई और ठेके की अनियमितताओं ने मेले को विवादों की आग में झोंक दिया है।

अमलाई

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर के समीप सोनभद्र तट पर लगने वाला बरगवां का प्राचीन मेला, जो कभी शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, रीवा, सतना और छत्तीसगढ़ तक के व्यापारी और श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र हुआ करता था, अब अपनी ही धरोहर के बोझ तले दम तोड़ता दिख रहा है। दशकों से हजारों लोगों को रोजगार और पहचान देने वाला यह ऐतिहासिक मेला अब एक साप्ताहिक बाजार की तरह सिकुडक़र रह गया है और इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है अवैध वसूली और नगर परिषद की लापरवाही, जिसने मेले की रीढ़ ही तोड़ दी है।

बैठकी वसूलने में लगा जिम्मेदारों का परिवार

नगर परिषद बनने के बाद लोगों को उम्मीद थी कि ग्राम पंचायत के समय फैली अव्यवस्था और अवैध वसूली पर अब

अंकुश लगेगा और मेला अपने पुराने स्वरूप में लौट सकेगा, लेकिन बीते तीन वर्षों में परिषद ने मेले को सुधारने के बजाय उसे और चौपट कर दिया है। मेले की बैठकी से लेकर साइकिल स्टैंड तक हर जगह केवल वसूली का हिसाब बैठाया जा रहा है। नगर परिषद अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पर आरोप है कि उनका पूरा परिवार और करीबी, कर्मचारियों को आगे कर बैठकी बटोरने में लगा रहा, वहीं उपाध्यक्ष के नज़दीकी युवकों ने साइकिल स्टैंड से अवैध वसूली का जिम्मा अपने हाथों में ले लिया।

आनन-फानन में रोकी वसूली

सबसे बड़ा विवाद तब भडक़ा जब नगर परिषद ने साइकिल स्टैंड का ठेका मात्र 57,000 रुपये में अभय तिवारी नामक व्यक्ति को दिया, लेकिन ठेकेदार ने अनुबंध को ताक पर रखकर उससे दुगनी-तिगुनी राशि की डुप्लीकेट रसीदें छपवाकर वसूली शुरू कर दी। बिना अनुमति छपी इन रसीदों ने मेले में आग लगा दी। जब लोगों ने विरोध किया, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए और स्थानीय व्यापारी भडक़ उठे, तब परिषद कर्मचारियों ने आनन-फानन में वसूली रोक दी। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि अवैध रसीदें छापने और वसूली करने वाले पर परिषद और सीएमओ की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई?

तनावपूर्ण मेले का वातावरण

मेले के पहले दिन 14 जनवरी को जो घटनाएं सामने आईं, उन्होंने नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। परिषद के अधिकारी, कर्मचारी और ठेकेदार अवैध वसूली के जरिए मेले को कमाई का जरिया बना बैठे हैं। बैठकी पर कब्जा जमाने की होड़ में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का पूरा तंत्र सक्रिय दिखा। कई लोगों ने आरोप लगाया कि परिषद के कर्मचारी व सहयोगी खुलेआम विवाद उत्पन्न कर दुकानदारों पर दबाव बनाते रहे। मेले में दुकानदारों व आगंतुकों की सुरक्षा से अधिक ध्यान वसूली की पर्चियों पर रहा, जिससे मेले का वातावरण तनावपूर्ण बना रहा।

अवैध वसूली के चलते हो रहा पतन

यह वही मेला है जिसे अनूपपुर जिले में अमरकंटक मेले के बाद सबसे बड़ा और सबसे पुराना माना जाता था। बरगवां मेला एक समय 200 किलोमीटर के दायरे में व्यापार, सांस्कृतिक गतिविधियों और धार्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र था, लेकिन परिषद की अनदेखी और लालच ने इसकी पहचान मिटा दी है। लोग बताते हैं कि अवैध वसूली ही मेले के पतन का मुख्य कारण है। दुकानदार हर बार परेशान होते हैं, विवाद खड़े होते हैं और लोग यहां आना कम करते जा रहे हैं।

निष्पक्ष हो समीक्षा और निगरानी

वर्तमान में मेला पांच दिनों तक भर रहा है और आज दूसरा दिन है। ऐसे में जिला प्रशासन की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वह नगर परिषद के इस पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करे। अवैध रसीदें छापकर वसूली करने वालों पर मामला दर्ज होना चाहिए और नगर परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को सार्वजनिक रूप से जवाब देना चाहिए कि मेले की अस्मिता, आस्था और ऐतिहासिक महत्व से खिलवाड़ क्यों किया गया। मेले की गरिमा लौटाने के लिए सबसे पहले जरूरी है कि अवैध वसूली पर रोक लगे, परिषद के ठेकों की समीक्षा हो और प्रशासन निष्पक्ष निगरानी सुनिश्चित करे। बरगवां मेला केवल व्यापार का नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर और लोगों की भावनाओं का प्रतीक है। इसे बचाना जिला प्रशासन का दायित्व ही नहीं, क्षेत्र की पहचान को बचाने का सवाल भी है।

निर्विरोध चुनी गई नई कार्यकारिणी

सिंधी समाज में एकता का महाशंखनाद

शहडोल। जिले के सिंधी समाज ने रविवार को आपसी सौहार्द और अटूट एकता का वह परिचय दिया, जिसकी गूंज पूरे संभाग में सुनाई दे रही है। पूज्य सिंधी पंचायत के निर्वाचन में लोकतंत्र और सर्वसम्मति का ऐसा तालमेल दिखा कि पूरी नई कार्यकारिणी निर्विरोध चुन ली गई। इस चुनाव ने न केवल समाज की एकजुटता पर मुहर लगाई, बल्कि यह संदेश भी दे दिया कि समाज के विकास के लिए अब कोई भी मतभेद आड़े नहीं आएगा।

गोविंदराम जेठानी को मिली जिम्मेदारी

समाज के वरिष्ठों और युवाओं ने लंबी मंत्रणा के बाद संगठन का भविष्य गोविंदराम जेठानी के हाथों में सौंपा है, जिन्हें निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वहीं, संगठन की रणनीति को धार देने के लिए राजेंद्र आसवानी को महामंत्री जैसा महत्वपूर्ण दायित्व दिया गया है। कार्यकारिणी में अन्य पदों पर भी समाज के कर्मठ चेहरों को जगह मिली है, उपाध्यक्ष दुलाराम मंगलानी एवं विजय जसवानी, सचिव प्रीतम सोनी, सह-सचिव महेश केशवानी, कोषाध्यक्ष परमानंद आसवानी की जिम्मेदारी दी गई है।

अनुभव की परिपक्वता और युवाओं की हुंकार

समाज के वरिष्ठ सदस्य नरेश बहरानी ने इस निर्वाचन को एक नई क्रांति करार देते हुए कहा कि इस टीम में अनुभव का विजन और युवाओं का मिशन दोनों समाहित हैं। निर्वाचन परिणाम घोषित होते ही बाटा रोड से लेकर सिंधी बाहुल्य क्षेत्रों में उत्सव का माहौल दिखा। समाजजनों ने नई टीम से उम्मीद जताई है कि अब सामाजिक कार्य केवल कागजों पर नहीं, बल्कि धरातल पर दिखेंगे।

पारदर्शिता और सेवा का नया अध्याय

इस निर्विरोध चुनाव के साथ ही समाज ने स्पष्ट कर दिया है कि अब प्राथमिकता केवल पद नहीं बल्कि पारदर्शिता और सेवा होगी। युवाओं को मुख्यधारा से जोडऩे और सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के लिए नई टीम ने अभी से रणनीति बनाना शुरू कर दिया है। शहडोल की सिंधी पंचायत ने निर्विरोध चुनाव कराकर उन तमाम संगठनों को आईना दिखाया है, जहां पदों के लिए खींचतान मची रहती है। यह निर्विरोध चयन नई कार्यकारिणी की शक्ति और समाज के भरोसे का प्रमाण है।

थैलेसीमिया मुक्त भारत के लिए शहडोल ने भरी हुंकार

अंतरराष्ट्रीय कॉन्क्लेव में दिशा वेलफेयर एसोसिएशन की सशक्त मौजूदगी

शहडोल।

रक्त विकारों के खिलाफ वैश्विक जंग में शहडोल की दिशा वेलफेयर एसोसिएशन ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी सक्रियता दर्ज कराई है। हैदराबाद में संपन्न हुए दो दिवसीय एशियन थैलेसीमिया कॉन्क्लेव 2026 में संस्था की अध्यक्ष रुपाली सिंघई एवं सरबजीत सिंह नारंग ने सहभागिता कर क्षेत्र की गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों को विश्व पटल पर रखा।

डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित इस महाकुंभ में तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजा नरसिम्हा ने वर्ष 2035 तक देश को थैलेसीमिया मुक्त करने के लिए सामाजिक आंदोलन का आह्वान किया। सम्मेलन में भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की वरिष्ठ अधिकारी डॉ. विनीता श्रीवास्तव सहित इटली और बेंगलुरु के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने शिरकत की।

शहडोल के लिए गर्व का विषय रहा कि आदिवासी अंचलों में थैलेसीमिया और सिकलसेल के खिलाफ दिशा वेलफेयर द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना की गई। त्रैमासिक पत्रिका रक्त बंधन में प्रकाशित लेखों के माध्यम से शहडोल के जमीनी संघर्ष को विशेषज्ञों ने सराहा। इस अवसर पर रुपाली सिंघई ने आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ. अग्रवाल एवं अलीम बैग को सम्मानित कर शहडोल की ओर से आभार जताया। यह सहभागिता स्पष्ट करती है कि अब जिले की स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान केवल स्थानीय स्तर पर नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की निगरानी में तलाशा जा रहा है।

विराट नगरी में श्रद्धा का सैलाब बाणगंगा मेले का भव्य आगाज

परंपरा और आधुनिकता का दिखा अद्भुत संगम

सांसद हिमाद्री सिंह ने फहराया विजय ध्वज सात दिनों तक उत्सव के रंग में डूबेगा शहडोल

शहडोल। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर संभागीय मुख्यालय का बाणगंगा मैदान एक बार फिर इतिहास और आस्था का गवाह बना। सात दिवसीय ऐतिहासिक बाणगंगा मेले का विधिवत शुभारंभ बुधवार को सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह और विधायक श्रीमती मनीषा सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर और मां सरस्वती के पूजन के साथ शुरू हुए इस मेले ने न केवल आस्था के सागर को झकझोरा, बल्कि शहडोल की गौरवशाली परंपरा को भी जीवंत कर दिया।

विरासत पर गर्व, आधुनिकता को चुनौती

शुभारंभ अवसर पर जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा कि बाणगंगा मेला महज एक व्यापारिक आयोजन नहीं, बल्कि भव्यता और दिव्यता का वह संगम है जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आधुनिकता के इस दौर में अपनी ऐतिहासिक परंपराओं को अक्षुण्ण रखना ही हमारी असली जीत है। सांसद ने आह्वान किया कि आने वाली पीढ़ियां इस विरासत को संजो कर रखें ताकि बाणगंगा की पहचान राष्ट्रीय फलक पर और मजबूत हो सके।

आस्था का प्रतीक और जन-जन का जुड़ाव

क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने मेले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे शहडोल की धडक़न करार दिया। उन्होंने कहा कि बाणगंगा मेले से दूर-दराज के ग्रामीणों का आत्मीय जुड़ाव है। यह मेला ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है, जहां इंसान सिर्फ सामान खरीदने नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति को जीने आता है।

पांडवकालीन इतिहास की गूंज

नगरपालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मेले के प्राचीन महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि यह भूमि पांडवकालीन प्रतीकों से सुसज्जित है। इस बार प्रशासन और नगरपालिका ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ऐसी झड़ी लगाई है कि सात दिनों तक बाणगंगा का मैदान भक्ति और मनोरंजन के रस में सराबोर रहेगा। 15 जनवरी को सुनील माणिकपुरी का छत्तीसगढ़ी आर्केस्ट्रा। 16 जनवरी को सुल्तानपुर के प्रसिद्ध भजन सम्राट धर्मेन्द्र पाण्डेय की स्वर लहरियां। 17 जनवरी को गोलू अहिरवार द्वारा बुंदेलखंडी लोक संस्कृति का तडक़ा। 18 जनवरी को ममता वर्मा और दर्पण आर्केस्ट्रा ग्रुप की सुरीली शाम। 19 जनवरी को बॉम्बे मेलोडी और अनिल समुन्द्रे का धमाकेदार डांस शो। 20 जनवरी को स्थानीय कलाकारों की आर्केस्ट्रा नाइट के साथ समापन।

प्रशासनिक मुस्तैदी और जन-भागीदारी

मेले के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं को लेकर प्रशासन को कड़े निर्देश दिए गए हैं। शुभारंभ अवसर पर जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव की मौजूदगी ने स्पष्ट कर दिया कि अव्यवस्था फैलाने वालों पर सख्त नजर रहेगी। स्थानीय कलाकारों द्वारा प्रस्तुत भजन-कीर्तन ने शुरुआती माहौल को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में जिला योजना समिति सदस्य अमिता चपरा, एसडीएम अमृता गर्ग, नपा उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, समाजसेवी अजय अवस्थी, प्रियम त्रिपाठी सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक और पत्रकार मौजूद रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन दिलीप अग्रवाल ने किया। बाणगंगा मेला शहडोल की पहचान है। प्रशासन के लिए चुनौती यह है कि वह इस भव्यता को केवल उद्घाटनों तक सीमित न रखे, बल्कि मेले में आने वाले हजारों ग्रामीणों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर भी उतनी ही सख्ती दिखाए जितनी दावों में नजर आती है।

कंचनपुर कन्या परिसर में छात्राएं लापता

परिजनों में समाया डर, सुरक्षा पर सवाल

शहडोल। जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र के कंचनपुर स्थित माता शबरी शासकीय कन्या शिक्षा परिसर इस वक्त रक्षक ही भक्षक वाली कहावत को चरितार्थ कर रहा है। यहां शिक्षा और सुरक्षा की धज्जियां उड़ रही हैं। महज 10 दिनों के भीतर दो छात्राएं रहस्यमयी ढंग से गायब हो गईं, लेकिन प्रबंधन गहरी नींद में सोया रहा। कक्षा 12वीं और 10वीं की छात्राओं का इस तरह लापता होना परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा तमाचा है।हद तो तब हो गई जब स्कूल के भीतर का एक शर्मनाक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एक शिक्षिका क्लासरूम को डांस फ्लोर बनाकर छात्राओं के साथ अश्लील गानों पर ठुमके लगा रही है। जिस क्लासरूम में भविष्य गढ़ा जाना चाहिए, वहां फूहड़ता का प्रदर्शन किया जा रहा है।इस अराजकता से डरे-सहमे परिजन अब अपनी बेटियों को यहां पढ़ाने से कतरा रहे हैं। हालांकि, प्रशासन ने दो अधीक्षिकाओं को निलंबित कर कागजी खानापूर्ति कर ली है और पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया है, लेकिन मुख्य सवाल अब भी कायम है, क्या बेटियां यहां सुरक्षित हैं? रील बनाने में मशगूल शिक्षकों और लापरवाह प्रबंधन की वजह से आज कंचनपुर शिक्षा परिसर डर का साया बन चुका है।

चतुर्भुज मंदिर में श्रीरामचरितमानस एवं भंडारे का आयोजन

अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन किया

शहडोल।

जिले के जयसिंहनगर जनपद पंचायत के ग्राम मसीरा स्थित सोन नदी के तट पर चतुर्भुज भगवान का मंदिर बना हुआ है। आस-पास के क्षेत्र में प्रसिद्ध भगवान चतुर्भुज मंदिर में 13 जनवरी से अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन किया गया जिसका 14 जनवरी अर्थात मकर संक्रांति पर्व पर समापन हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी शालिकराम तिवारी के सौजन्य से आयोजित किया गया जिसमें आस-पास के समस्त श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया था। अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ कार्यक्रम में काफ़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे जहां उन्होंने श्रीराम नाम का रसपान किया वहीं भंडारे का प्रसाद प्राप्त किया।

सरकार ने 2026 को घोषित किया कृषि वर्ष

शहडोल में कृषि रथ का शंखनाद: एक महीने तक गांवों में दौड़ेगी तकनीक की पाठशाला

वैज्ञानिकों की टीम सीधे किसानों की चौखट पर सुलझाएगी खेती की गुत्थियां

शहडोल। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष घोषित किए जाने के बाद अब शहडोल जिले की धरती पर बदलाव की नई इबारत लिखने की तैयारी है। किसानों को पुरानी और पारंपरिक खेती के जाल से बाहर निकालकर आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीक से जोडऩे के लिए जिले में कृषि रथ का भव्य अभियान शुरू किया जा रहा है। यह रथ एक महीने तक गांव-गांव घूमकर किसानों को उन्नत खाद-बीज और फसलों की बुवाई के गुर सिखाएगा।

सीधे संपर्क से मिटेगी दूरी

प्रशासन ने इस अभियान को मिशन मोड पर लिया है। जायद, खरीफ और रबी फसलों की बुवाई से ठीक एक माह पूर्व यह रथ किसानों के द्वार पहुंचेगा। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें कृषि वैज्ञानिकों और किसानों का सीधा संवाद कराया जाएगा। अब किसानों को अपनी समस्याओं के लिए दफ्तरों के चक्कर नहीं काटने होंगे, बल्कि विशेषज्ञ खुद खेत की मेड़ पर खड़े होकर सुझाव देंगे।

जनपदवार विजय रूट

सोहागपुर जनपद वैज्ञानिक डॉ. अल्पना शर्मा की अगुवाई में सोहागपुर में 16 जनवरी से रथ का सफर नदना और धुरवार से शुरू होगा। 17 को कंचनपुर-विक्रमपुर, 18 को धनपुरा, 19 को बरतरा-सरई कांपा और 20 जनवरी को धनपुरी-बम्हौरी में तकनीकी ज्ञान की गंगा बहेगी। नोडल अधिकारी सुभद्रा परस्ते (8319365110) इस अभियान की कमान संभालेंगी।

बुढार जनपद में 20 जनवरी से दस्तक

बुढार में रथ 20 जनवरी को साखी और जैतपुर से अपनी यात्रा प्रारंभ करेगा। 21 को बलभद्रपुर और 22 जनवरी को कुम्हेडिन-खम्हरिया में चौपाल लगेगी। यहां शिशुपाल सिंह राजपूत (9691820934) और केवीके के भागवत पेन्द्रो बागडोर संभालेंगे।

गोहपारू एवं जयसिंहनगर 17 जनवरी से एक्शन

गोहपारू में 17 से 20 जनवरी तक बुढऩवार से लामर तक रथ भ्रमण करेगा। वहीं जयसिंहनगर में भी 17 जनवरी से रथ का पहिया घूमेगा, जो दरौड़ी से लेकर चरहेट तक किसानों को जागरूक करेगा। यहां डॉ. दीपक चौहान और डॉ. नितिन सिंघई जैसे विशेषज्ञ तैनात रहेंगे। ब्यौहारी क्षेत्र में 17 जनवरी से कल्हारी, खुटेहरा और भोलहरी जैसे गांवों से रथ गुजरेगा। नोडल अधिकारी अभिषेक तिवारी (7217242923) पूरी टीम के साथ मौजूद रहेंगे।

अधिकारियों और विशेषज्ञों की भारी-भरकम फौज

इस अभियान को सफल बनाने के लिए केवल कृषि विभाग ही नहीं, बल्कि उद्यानिकी, पशुचिकित्सा, सहकारिता, वन विभाग और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता भी रथ के साथ चलेंगे। यह रथ केवल भाषण नहीं देगा, बल्कि उन्नत खेती के साथ-साथ पशुपालन और सहकारिता योजनाओं का इंस्टेंट लाभ देने की

खबर संक्षेप

रेंडमाईजेशन पद्धति से किया गया तीर्थ यात्रियों का चयन

उमरिया। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत द्वारका सोमनाथ के लिए स्पेशल ट्रेन 21 जनवरी को रवाना होगी। तीर्थ यात्रा के लिए जनपद पंचायत करकेलीए पाली तथा समस्त नगर परिषद से कुल 2021 यात्रियो के आवेदन आनलाइन फीड कराए गए थेए जिनका चयन रेंडमाईजेशन पध्दति से किया गया। रेंडमाईजेशन पध्दति से 179 तीर्थयात्री चयनित किए गए है जिसमें 18 यात्री प्रतीक्षा सूची में शामिल है । इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेलए कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैनए डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे

खेलो एमपी यूथ गेम्स के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता 17 एवं 18 जनवरी को

उमरिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी सीताराम सत्या ने बताया कि खेलो एम पी यूथ गेम्स 2025 का ब्लाक एवं जिला स्तरीय आयोजन 29 खेलो मे आयोजित किया जाना है।उन्होने बताया कि स्टेडियम मे जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 17 एवं 18 जनवरी को तथा विकासखंड करकेली अंतर्गत चयन स्पर्धा का आयोजन 15 एवं 16 जनवरी को किया जाएगा।

युवा संगम रोजगार मेला शासकीय आईटीआई में 16 जनवरी को

उमरिया। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि युवा संगम रोजगार मेला का आयोजन शासकीय आई टी आई उमरिया मे प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक किया गया है । मेले में रावया फोर्स प्राइवेट लिमिटेडए मोबाइल पे दिल्लीए श्री राम फायनेंस उमरियाए एस बी आई लाफ इंशोरेंस उमरियाए प्रथम एजुकेशन जबलपुरए एसआई एस अनूपपुरए एलआईसी उमरियाए टी एस पी एल ग्रुप पुणेए सागर मेनफ्रेक्चरिंग टेक्सटाइल कंपनी भोपालए इंटीग्रेटेड पर्सनल सर्विसेज चेन्नई ए निपुन एमयूआईएलटीआई सर्विसेजहिरंग ओरंगाबादए शिव शक्ति बायोटेक जबलपुर कंपनी भाग लेगी ।

किसानों से 155589.7 मीट्रिक टन धान की गई खरीदी

उमरिया। सहायक आपूर्ति अधिकारी ने बताया कि जिले में 44 धान खरीदी केन्द्रों के माध्यम से जिले में 24797 किसानों से 15558907 मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है । पंजीकृत किसानों की संख्या 27949 है । स्लॉट बुकिंग की संख्या 26173 है । कुल धान परिवहन का प्रतिशत 79 है। जेआईटी पोर्टल के माध्यम से 234.62 करोड रूपये की राशि भुगतान की गई है ।

उमरिया ने पेंड्रा को पराजित कर प्रतियोगिता से किया बाहर

बुढार । नगर के स्व. कुशाभाऊ ठाकरे स्टेडियम में खेली जा रही अखिल भारतीय विधायक गोल्ड कप क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मुकाबले में पैराडाइज क्लब उमरिया ने पेंड्रा को पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया ।

टॉस जीतकर उमरिया ने चुनी बल्लेबाजी मैच का टॉस पैराडाइज क्लब उमरिया ने जीता, पिच का मिजाज भांपते हुए उमरिया के कप्तान ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया , पगले बल्लेबाजी करते हुए उमरिया की टीम ने निर्धारित बीस ओवरों में आठ विकटों के नुकसान पर 183 रन बनाए , उमरिया की तरफ से बल्लेबाज दीपक ने 30 एवं अभिराज ने 27 रन बनाए , पेंड्रा की ओर से गेंदबाज मिराज खान एवं अभिजीत मंडल ने 3-3 विकेट हासिल किए ।

20 रनों से चुकी पेंड्रा

184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने

उतरी पेंड्रा की टीम ने शानदार शुरुआत की , शुरुआती ओवरों से तेजी से रन भी बने किंतु टीम को मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया , बेहतरीन शुरुआत के बाद भी पेंड्रा की टीम अपने लक्ष्य को नहीं पार कर पाई और यह मुकाबला 20 रनों से गंवा दिया , पेंड्रा की तरफ से सलामी बल्लेबाज डेसमंड ने 42 रन और पवन ने 29 रन बनाए ।उमरिया की ओर से दीपक और जिज्ञास ने 2-2 विकेट लिए। उमरिया टीम की ओर से शानदार आलराउंड प्रदर्शन करने वाले दीपक को मन ऑफ द मैच घोषित किया गया , जिन्हें भाजपा मंडल बकहो के उपाध्यक्ष अनुपम सिंह सेंगर ने पुरस्कृत किया।

ये रहे टीमों के प्रायोजक

टूर्नामेंट में आज उमरिया टीम के प्रायोजक राजवाड़ा रेस्टोरेंट के राजकुमार गुप्ता एवं अभिनव द्विवेदी रहे जबकि पेंड्रा टीम के प्रायोजक साईं टेंट एंड केटर्स के संचालक देवी सिंह सेंगर रहे। मैच में अंपायरिंग आनंद त्रिपाठी और हेमंत सिंह ने की , जबकि मैच का आंखों देखा हाल कलाम मोहम्मद, अजय द्विवेदी और सुधीर शर्मा ने सुनाया।

प्रधानमंत्री धन धान्य योजना की समीक्षा बैठक संपन्न

उमरिया। संचालक दलहन विकास निदेशालय भारत सरकार कृषि एवं किसान कल्याण विभाग डॉ महेश कुमार की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री धन धान्य योजना कि समीक्षा बैठक जिला पंचायत सभागार में संपन्न हुई । बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने प्रधानमंत्री धन धान्य योजना कि कार्य योजना कि विस्तृत जानकारी दी तथा संचालक द्वारा प्रत्येक विभाग से प्रधानमंत्री धन धान्य योजना की प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई तथा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक विभाग द्वारा संचालित कार्ययोजना की प्रथम त्रैमास से तृतीय त्रैमास तक की भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य पूर्ति उपलब्ध कराएं तथा सभी विभाग टीम भावना के साथ प्रधानमंत्री धन धान्य योजना योजना में कार्य करें एजिससे प्रधानमंत्री जी की महत्वपूर्ण योजना का सफल क्रियान्वयन हो सके। बैठक मे उप संचालक कृषि संग्राम सिंह सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे ।

जिला चिकित्सालय अब इलाज नहीं, रेफर सेंटर का पर्याय!

सिस्टम को मोतियाबिंद, जनता बेहाल

उमरिया। विकास के दावों की हवा निकालती जिला अस्पताल की हकीकत अब डराने लगी है। यहां स्वास्थ्य सुविधाएं आईसीयू में हैं और जिम्मेदार गहरी नींद में। ताज्जुब की बात है कि जिस अस्पताल पर जिले की लाखों की आबादी का जिम्मा है, वहां चार साल से आंख के डॉक्टर की कुर्सी खाली है और आठ साल से कान-नाक-गले के विशेषज्ञ नदारद हैं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि जिले की जनता के स्वास्थ्य के साथ किया जा रहा सरकारी अपराध है।

सत्ता की चौखट पर दम तोड़ती उम्मीदें

जिला अस्पताल अब इलाज का केंद्र कम और राजनीति का अखाड़ा ज्यादा नजर आता है। रेडियोलॉजिस्ट दो साल से नहीं है, जिसका सीधा मतलब है कि बिना जांच के ही मरीजों का अंदाज पर इलाज चल रहा है। गरीब मरीज, जो सरकारी अस्पताल इस उम्मीद में आता है कि उसे मुफ्त इलाज मिलेगा, उसे यहाँ से सीधे जबलपुर या शहडोल के निजी अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है। अस्पताल की इमारत तो खड़ी है, लेकिन उसके भीतर का सिस्टम मर चुका है।

नेताओं के लॉलीपॉप और जनता का दर्द

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी वी.एस. चंदेल का कहना है कि डिप्टी सीएम

राजेंद्र शुक्ला को जानकारी दे दी गई है। सवाल यह है कि क्या सिर्फ जानकारी देना ही काफी है? भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल का तर्क और भी हास्यास्पद है कि एक साल में 5000 डॉक्टर निकलेंगे। साहब! तब तक क्या उमरिया के मरीज अपनी सांसें रोककर इंतजार करें या बिना इलाज के अपनी नियति मानकर घर बैठ जाएं?

विधायकों की चुप्पी पर उठते सवाल

जिले में मानपुर से मीना सिंह और बांधवगढ़ से शिवनारायण सिंह जैसे कद्दावर भाजपा विधायक हैं। दोनों सत्ता पक्ष के हैं, फिर भी उमरिया की आवाज भोपाल के गलियारों में इतनी कमजोर क्यों है, क्या इन जन प्रतिनिधियों की जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव के समय हाथ जोडऩे तक सीमित है, अस्पताल में डॉक्टरों का टोटा इन विधायकों की राजनैतिक इच्छाशक्ति पर सबसे बड़ा सवालिया निशान है।

कांग्रेस की आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजीनियर विजय कोल ने इस मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने साफ कहा है कि 20-25 सालों से सत्ता का सुख भोग रही भाजपा ने उमरिया को केवल खोखले आश्वासन दिए हैं। यदि डॉक्टरों की तत्काल नियुक्ति नहीं हुई, तो अब बात कागजों पर नहीं, बल्कि सडक़ों पर होगी। जनता का आक्रोश अब ज्वालामुखी बनकर फटने को तैयार है।

कब जागेगा प्रशासन

उमरिया जिला अस्पताल की यह तस्वीर मप्र सरकार के स्वर्णिम मध्य प्रदेश के दावों पर करारा तमाचा है। यहां आंखों के मरीज 4 साल से अंधेरे में हैं और ईएनटी के मरीज 8 साल से सिस्टम की बहरी दीवारों को पुकार रहे हैं। अगर सरकार और स्थानीय विधायकों ने अपनी संवेदनहीनता नहीं त्यागी, तो आने वाले समय में जनता का यह इलाज वोट की चोट से तय होगा।

मकर संक्रांति कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया

कोतमा। जरुरतमंदों को दान, पवित्र नदियों में स्नान और पतंगबाजी के त्रिवेणी संगम का पर्व मकर संक्रांति बुधवार को कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने से खरमास समाप्त हो गया। एक बार फिर मांगलिक आयोजन शुरू हो जाएंगे. ग्रह-नक्षत्र के विशेष योग-संयोग होने से मकर संक्रांति बेहद खास हो गई है. वहीं 19 साल बाद इस बार मकर संक्रांति 14 जनवरी को मनाई गई साथ ही एकादशी भी इसी दिन पड़ने के कारण एक दुर्लभ संयोग बन गया। मकर संक्रांति सनातन हिन्दुओं का सबसे प्रमुख पर्वों में से एक है, जो सूर्य देव को समर्पित है. पौष माह में इसी दिन सूर्य उत्तरायण होता है और मकर राशि में प्रवेश करता है। मकर संक्रांति से ही ऋतु परिवर्तन भी होता है. इसे सर्दियों के अंत का पहला दिन माना जाता है. इस दिन स्नान और दान, पुण्य का विशेष महत्व माना गया है। बुधवार को मकर संक्रांति के दिन सुबह से ही मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। कोतमा नगर के ठाकुर बाबा धाम, पंचायती मंदिर, धर्मशाला मंदिर, बूढी माता मंदिर, शारदा काली मंदिर, गोहंड्रा स्थित काली मंदिर, गौरी शंकर मंदिर, गोबिंदा कालोनी, लहसुई कॉलोनी के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही सुबह से लेकर देर शाम तक लोग पूजन अर्चन करने में जुटे रहे। नगर के समीप केवई नदी सोन नदी में लोगों ने पहुंच कर आस्था की डुबकी लगाई। घरों में लोगों ने विशेष पकवान बनाए तिल गुड़ के लड्डू का इस दिन विशेष महत्व होता है इसलिए लोगों ने घरों में एवं बाजार से लेकर तिल गुड़ के लड्डू को घर के सभी सदस्यों ने खाया।

मेले का आयोजन

कोतमा सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बुधवार को मकर संक्रांति पर बसखली गांव, देवगवां, निगवानी के पास, सीतामढ़ी, केवई नदी, फिल्टर प्लांट के पास, सकोला, भाद, चुकान, धुरवासिन, पसान मे कटकोना पंचायत के हर्री गांव के बांधा थानगांव के पास घोघरा मे मेले का आयोजन किया गया था जहां लोगों ने पहुंचकर जमकर मेले का लुफ्त उठाया महिलाएं एवं बच्चों ने जमकर झूले का आनंद भी लिया वही मेले में बिक रहे सामानों की जमकर खरीदारी की। बुधवार को मकर संक्रांति के अवसर पर नगर के मंदिरों एवं घरों में भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया था।

कोयलांचल क्षेत्र के साथ रेलवे कर रही छलावा

रेल सुविधाओं का नहीं कर रही विस्तार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। आर्थिक नगरी कहलाए जाने वाले कोतमा में रेल सुविधाओं के मामले में अपेक्षा नगर के व्यापारियों नागरिकों एवं यात्रियों के लिए बड़ी समस्या बनती जा रही है। जिसका सीधा नुकसान औद्योगिक निवेश पर भी पढ़ रहा है। महानगरों तक ट्रेन की सीधी सुविधा से लेकर छोटे शहरों तक ट्रेन सुविधा नहीं होने से नागरिक परेशान है। नागरिकों एवं यात्रियों का कहना है कि ट्रेन सुविधा के मामले में जनप्रतिनिधियों के साथ ही सांसद एवं मंत्री के उदासीन रवैया के कारण भी नुकसान हो रहा है।

वर्षो से कर रहे मांग

कोतमा आर्थिक नगरी के साथ ही काले हीरे का गढ कहलाए जाने वाले नगर को अंबिकापुर से नागपुर तक सीधी ट्रेन की सुविधा के साथ ही अंबिकापुर निजामुद्दीन का स्टॉपेज के साथ ही दुर्ग अंबिकापुर इंटरसिटी ट्रेन का स्टॉपेज दिलाए जाने प्लेटफार्म नंबर 3 की लंबाई बढ़ाई जाने के साथ ही रीवा चिरमिरी एक्सप्रेस को नियमित किए जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है जिससे ट्रेन की नियमित सुविधा मिल सके। रात्रि 9 बजे के बाद अनुपपुर से अंबिकापुर तक जाने के लिए ट्रेन नही है बिलासपुर की ओर से रात मे 9 बजे अनुपपुर पहुंचने के बाद चार से पांच घंटे तक ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है जिससे यात्रियों को परेशानी होती है।

नहीं मिल रही सीधी ट्रेन की सुविधा

कोतमा विधानसभा क्षेत्र सामान्य सीट होने के साथ ही कोयलांचल क्षेत्र से जुड़ा हुआ है और यहां पर हर प्रांत के लोग निवास करते हैं। इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा की कमी होने के कारण यहां के लोगों को इलाज करवाने के लिए दूसरे शहर का रूख करना पड़ता है। काफी दिनों से यहां के लोगों की एक ही मांग थी कि नागपुर तक सीधी ट्रेन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए जिससे लोगों को इलाज करवाने के लिए नागपुर तक सीधी ट्रेन की सुविधा मिल सके लेकिन जनप्रनिधियों सांसद एवं मंत्री की उदासीनता का खामियाजा यहां के लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

औद्योगिक क्षेत्र

वर्तमान में कोतमा नगर में कई नई कोयला खदानों के साथ ही पावर प्लांट भी संचालित होने शुरू हो गए हैं लेकिन यहां पर महानगरों के साथ ही बड़े शहरों के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा के साथ ही अंबिकापुर निजामुद्दीन ट्रेन का स्टॉपेज कोतमा स्टेशन में नहीं मिलने के कारण औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोग यहां पर कम आने की सोचते हैं। कुछ दिनों पूर्व रेल प्रबंधन के द्वारा अंबिकापुर निजामुद्दीन ट्रेन का स्टापेज कोतमा मे करने की घोषणा जरूर की गई है लेकिन समय तथा कब से स्टापेज मिलेगा इसकी घोषणा अभी तक नही किया गया है जिसके कारण नागरिकों को यह डर सता रहा है कि कहीं यह घोषणा ही न रह जाए।

नगर के व्यापारी रत्नेश जैन का कहना है कि हमारे नगर के साथ ही कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के साथ रेल प्रबंधन उपेक्षा कर रहा है जिसके कारण महानगरों सहित बड़े शहरों के लिए सीधी ट्रेन की सुविधा नहीं मिल पा रही है। यहां तक की अंबिकापुर से निजामुद्दीन तक जाने वाली एक्सप्रेस ट्रेन का भी स्टॉपेज कोतमा करने की घोषणा जरूर की गई है लेकिन अभी तक टाइम टेबल एवं स्टापेज की तारीख जारी नही किया गया है कुछ दिनों पूर्व उज्जैन से अंबिकापुर तक ट्रेन चलाई गई लेकिन उसका भी स्टॉपेज कोतमा में नहीं दिया गया है। चिरमिरी से रीवा तक नियमित रूप से संचालित होने वाली ट्रेन को भी कोरोना काल के समय से सप्ताह में 3 दिन कर दिया गया है जिसके कारण यहां के लोगों को यात्रा करने के लिए परेशानी होती है। रीवा चिरमिरी ट्रेन को नियमित करने की मांग एवं पूर्ववत समय करने की मांग लंबे समय से की जा रही है।

युवा कांग्रेस नेता रिषी तिवारी का कहना है कि कोतमा नगर आज हर दृष्टि से बहुत बड़ा और विशाल है लेकिन कोतमा रेलवे सुविधाओं से अछूता है हमको कहीं जाना पड़ता है तो हमारे यहां लंबी दूरी की ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं है हमारे यहां से दिल्ली के लिए ट्रेन है लेकिन उसका स्टॉपेज नहीं है हाल ही मे स्टापेज की घोषणा जरूर की गई है लेकिन अभी समय सारणी एवं तारीख की घोषणा नही की गई है उज्जैन के लिए ट्रेन चालू होना है उसका स्टापेज भी नहीं है तो हमारे कोतमा को इतना अछूता क्यों रखा गया है हमारे नगर का व्यापार रेलवे सुविधाओं के कारण पीछे होता जा रहा है। यदि यहां के नागरिकों एवं ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए कहीं दूसरे शहर जाना है तो यहां से सीधी ट्रेन नागपुर तक जाने के लिए नहीं है रात्रि 9 बजे बिलासपुर की ओर से यदि यात्री आते हैं तो ट्रेन की सुविधा नही है चार से पांच घंटे अनुपपुर रेलवे स्टेशन मे बैठकर ट्रेन का इंतजार करना पड़ता है। सांसद से अपेक्षा थी लेकिन वह भी यहां के लोगों को सीधी ट्रेनों की सुविधा नही उपलब्ध करवा पा रही हैं। रेल प्रशासन को कोतमा क्षेत्र के लिए भी ट्रेनों के स्टापेज के साथ ही रेलवे स्टेशन को सुविधाओं से सुसज्जित करने की आवश्यकता है। आज ट्रेनों की सुविधा कोतमा क्षेत्र के लोगों को नही मिलने के कारण यह क्षेत्र विकास में पीछे है। कोतमा स्टेशन के बाहर रेलवे के द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए भारी भरकम शौचालय का निर्माण बर्षो पहले करवाया गया है लेकिन अभी तक उसका ताला ही नही खोला गया है शौचालय स्टेशन परिसर की शोभा बढ़ाते नजर आ रहा है।

किराना व्यवसायिक संघ के अध्यक्ष धीरेंद्र नाहर बंटी का कहना है कि कोतमा क्षेत्र हर दिन सुविधाओं से वंचित होता जा रहा है। सांसद के प्रयास से अंबिकापुर निजामुद्दीन ट्रेन का स्टापेज जरूर होने की घोषणा की गई लेकिन अभी तक समय एवं तारीख की घोषणा नही की गई है इस क्षेत्र के लोगों को नागपुर तक सीधी ट्रेनों की सुविधा के साथ कोतमा में उज्जैन अंबिकापुर ट्रेन के स्टॉपेज के साथ ही चिरमिरी रीवा ट्रेन को नियमित रूप से संचालित करने की सुविधा नहीं उपलब्ध करवा पा रही है। आज भी इस क्षेत्र के लोग महानगरों से सीधे जुड़ने की आस लगाए बैठे हैं। रेलवे स्टेशन में यात्री प्रतीक्षालय तो है लेकिन हमेशा उसमें ताला लटकता रहता है यात्रियों को वह सुविधा भी नही मिल पा रही है। प्लेटफार्म नं दो की लंबाई बढाये जाने की मांग लंबे समय से की जा रही है रेल प्रबंधन इस ओर ध्यान नही दे रहा है। कोतमा रेलवे स्टेशन अंग्रेजों के जमाने का स्टेशन है और आज भी उसकी वही स्थित है मुख्य द्वार भी सुविधा से वंचित है। व्यापारी भी अब यहां के जनप्रतिनिधि एवं सांसद से आस लगाए बैठे हुए हैं लेकिन उनकी यह आस कब पूरी होगी इस पर लोग प्रश्न चिन्ह खड़ा करते नजर आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

धान उपार्जन का स्लाट बुक न हो पाने के कारण किसान धान विक्रय हेतु परेशान

बुढार। धान उपार्जन का स्लाड बुक न हो पाने के कारण किसानों द्वारा धान विक्रय के लिये चयनित केन्द्रों में धान विक्रय के लिये इन दिनों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, जबकि इसकी तिथि 13 जनवरी तक नियत की गई थी इस समस्या को जिला कलेक्टर को अवगत कराये जाकर समस्या का निदान करवाये जानें की मांग की गई है। बताया गया है कि - स्लाड बुक न हो पाने के कारण किसान उपार्जित धान को अपनी इच्छानुसार संबंधित धान केन्द्रों में विक्रय नहीं कर पा रहे हैं ऐसी स्थिति में धान विक्रय की तिथि में बढ़ोत्तरी कराये जाकर स्लाड बुक करवाये जानें की आकांक्षा व्यक्त की गई है। इस संदर्भ में - उन्नतशील कृषक - कृष्ण प्रताप सिंह ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि - ग्राम बटुरा किसान कोड 218140320441 जो मेरा है, जिसका धान विक्रय का रजिस्ट्रेशन कराया गया था और धान विक्रय हेतु 8 जनवरी 2026 से लगातार स्लाड बुक कर रहा हूं, तो स्लाड बुक नहीं हो रहा है, इसकी जानकारी मुझ द्वारा जिला आपूर्ति नियंत्रक को अवगत कराया गया, किन्तु समस्या का समाधान नहीं हो सका है। कृषक हित में धान उपार्जन का स्लाड बुक त्वरित करवाया जाये और कृषकों को उपार्जित धान विक्रय हेतु पर्याप्त तिथि सुनिश्चित कराया जाना कृषक हित में अत्यावश्यक है।

राष्ट्रीय स्तर पर चमका आर्या का प्रदर्शन

शहडोल। सेंट जूड्स स्कूल, शहडोल की कक्षा 11 वीं (विज्ञान) की छात्रा आर्या मिश्रा ने खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। आर्या ने अमेच्योर गेम्स फेडरेशन नेशनल्स (अंडर-20) में प्रथम स्थान हासिल किया, वहीं रीवा में आयोजित खुली खो-खो लीग में द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ ने आर्या को इस उपलब्धि पर हृदय से बधाई प्रेषित की है। विद्यालय का कहना है कि आर्या की मेहनत, लगन और अनुशासन ने न सिर्फ सेंट जूड्स स्कूल का नाम ऊंचा किया है, बल्कि पूरे शहडोल को गर्व महसूस कराया है। आर्या ने खेल जगत में अपनी प्रतिभा से साबित किया है कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आर्या की यह सफलता अन्य छात्राओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

कलेक्टर ने किए स्थानीय अवकाश घोषित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग दो के अनुक्रमांक-4 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिले के लिए कैलेंडर वर्ष 2026 हेतु स्थानीय अवकाश घोषित किया है। जारी आदेशानुसार होलिका दहन सोमवार 2 मार्च 2026, दुर्गाष्टमी (नवरात्रि) सोमवार 19 अक्टूबर 2026 और दीपावली का दूसरा दिन मंगलवार 10 नवम्बर 2026 को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश बैंक, जिला कोषालय व उप कोषालयों पर लागू नहीं होंगे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर रिलायंस फाउंडेशन ने स्वामी विवेकानंद जी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनायी

युवाओं में शिक्षा एवं व्यक्तित्व में काफी सकारात्मक परिवर्तन आया : रिलायंस साइट हेड - राजेश वर्मा

राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद जी की जयंती रिलायंस सी.बी.एम. सी.एस.आर. द्वारा रिलायंस फाउंडेशन रिसोर्स सेंटर लालपुर में उत्साहपूर्वक मनायी गयी,

बुढार।

जिसमें परियोजना क्षेत्रान्तर्गत ग्रामों के युवा उत्साहियों, कोचिंग केंद्रों तथा रिलायंस सुरक्षा सहयोगियों के प्रशिक्षणार्थियों सहित लगभग 250 लोगों नें कार्यक्रम में अपनी सहभागति निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया, इसके उपरांत सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी गई तथा अतिथियों का पारंपरिक स्वागत कोचिंग केंद्र के युवाओं द्वारा किया गया।

कार्यक्रम अवसर पर रिलायंस के साइट हेड राजेश वर्मा, सी.एस.आर. हेड राजीव श्रीवास्तव, एच.आर. लीड अभिषेक मिश्रा, सुरक्षा अधिकारी आर.के. सिंह, जे.एस.डब्ल्यू. सीमेंट सी.एस.आर. हेड संतोष कुमार, बिरला सीमेंट सी.एस.आर. हेड शैलेन्द्र सिंह, प्रशांत शर्मा, सुनील त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनोहारी प्रस्तुति युवाओं नें प्रस्तुत किया वहीं मोबाइल एवं डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक उपयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर आधारित नाटक की प्रस्तुति दी गई, और कविता, गीत, नृत्य एवं प्रेरक भाषण की प्रस्तुति को सराहा गया, तथा युवाओं की रचनात्मकता, सामाजिक जागरूकता और आत्मविश्वास कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से झलकता रहा।

कार्यक्रम अवसर पर - जर्मनी में आयोजित फुटबॉल प्रशिक्षण शिविर में विचारपुर से गये फुटबॉल कोच एवं पाँच फुटबॉल खिलाड़ियों को रिलायंस साइट हेड श्री राजेश वर्मा द्वारा स्मृति चिन्ह एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही रिलायंस फाउंडेशन कोचिंग के मेंटर कपिल एवं आकाश को विगत वर्षों में छात्रों को सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार दिलाने में उनके उत्कृष्ट योगदान हेतु उन्हें सम्मानित किया गया, इसके अलावा फुटबॉल कोच - सीताराम साहिस द्वारा रिलायंस फाउंडेशन फुटबॉल प्रशिक्षण केंद्र के खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये प्रेरित करनें व प्रशिक्षण प्रदत्त किये जाने पर उन्हें कार्यक्रम के मध्य सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम अवसर पर रिलायंस साइट हेड राजेश वर्मा ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानंद जी को पुण्य स्मरण करते हुये अपने उद्बोधन में कहाकि - कोचिंग कार्यक्रमों से जुड़े युवाओं में सोच, दृष्टिकोण, शिक्षा एवं व्यक्तित्व में काफी सकारात्मक परिवर्तन आया है, जो आज स्पष्ट रूप से परिलक्षित हो रहा हैं, और यह कार्यक्रम स्वयं उन परिवर्तनों का सशक्त उदाहरण है।

कार्यक्रम में सहभागिता निभानें वाले सभी प्रतिभागियों को रिलायंस सी.बी.एम. परियोजना द्वारा सम्मानित किया गया, वहीं कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. समीम खान, अश्वनी शर्मा, कपिल कांत शर्मा,आकाश सराफ,सुजीत सिंह, धर्मदत्त, सी.एस.आर.टीम एवं क्षेत्रिय कार्यकर्ताओं की महती भूमिका रही।

पीएसयू विश्वविद्यालय में कृषि-क्रांति पर मंथन नौकरी मांगने वाले नहीं रोजगार देने वाले बनें

शहडोल।

पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय का वाणिज्य विभाग अब किताबी ज्ञान की चहारदीवारी से बाहर निकलकर क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में जुट गया है। मंगलवार को विश्वविद्यालय में शहडोल संभाग के आर्थिक विकास में कृषि आधारित उद्योगों की संभावनाएं विषय पर एक उच्चस्तरीय सेमिनार संपन्न हुआ, जिसमें विशेषज्ञों ने दोटूक कहा कि संभाग की गरीबी का इलाज केवल कृषि-आधारित औद्योगिक क्रांति में ही छिपा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने छात्रों में उद्यमिता का जोश भरते हुए कहा कि शहडोल संसाधनों का धनी है, लेकिन कमी वैज्ञानिक नवाचार की है। उन्होंने युवाओं को कड़ा संदेश दिया कि वे जॉब सीकर के बजाय जॉब क्रिएटर बनें। कुलगुरु ने जोर दिया कि स्टार्टअप और प्रसंस्करण इकाइयों के बिना आत्मनिर्भरता का सपना अधूरा है। मुख्य वक्ता और जिला उद्योग केंद्र के जीएम के.एस. सोलंकी ने सरकारी अनुदान और ऋण सुविधाओं का खाका पेश करते हुए छात्रों को उद्योग स्थापना के लिए आमंत्रित किया। वहीं, सिया रोज गार्डन के संचालक आर.के. पटेल ने व्यावहारिक अनुभवों से बताया कि कैसे जमीन से जुड़ा व्यवसाय सफलता की बुलंदियों तक पहुंच सकता है। विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार गुप्ता के निर्देशन में हुए इस आयोजन में छात्रों ने शोध पत्र पढक़र चुनौतियों और समाधानों पर तीखी चर्चा की। डॉ. प्रज्ञा यादव एवं डॉ. रजनी गौतम के संयोजन में संपन्न हुए इस सेमिनार ने स्पष्ट कर दिया कि अब संभाग के युवाओं को स्थानीय संसाधनों पर ही अपना साम्राज्य खड़ा करना होगा।

मकर संक्रांति पर उमरिया में युवाओं ने बांटी पतंग और मिठाइयां

खुशी से झूम उठे बच्चे

उमरिया ।

मकर संक्रांति के पावन पर्व जिला कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन पर जिले की सक्रिय युवाओं की टोली युवा टीम उमरिया के द्वारा पहल खुशी के तहत जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में नन्हे व बच्चों को पतंग, धागा, मिठाइयां एवं बिस्किट नमकीन का पैकेट उपहार स्वरूप भेंट कर महोत्सव मनाया गया। टीम लीडर हिमांशु तिवारी ने बताया कि छोटा सा प्रयास हमारा, खुशियों से खिल उठे जहान साराश इस उद्देश के साथ मकर संक्रांति के पर्व पर ग्रामीण क्षेत्रों से लगी हुई बस्तियों में जरूरतमंद परिवारों के बीच यह सामग्री वितरित की गई। नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ पतंग उड़ा कर उन्हें खुशियां देने का प्रयास किया गया। उपस्थित बच्चों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई भी दी गई। उन्होंने बताया कि नगर के लोगों के सहयोग से बच्चों को 100 पतंगों का वितरण किया। पतंग मिलने से बच्चों का उत्साह दोगुना हो गया। इस दौरान गुड़-तिल्ली का वितरण भी किया गया। पतंग मिठाइयां व लड्डू पाते ही बच्चों के चेहरे खिल उठे।बच्चों के बीच चूड़ा और मुढ़ी के बने लाई सहित तिल के बने सामग्री भी वितरित किए गए। इस पर्व को स्नान दान का पर्व भी माना जाता है। साथ ही तिल, गुड़, खिचड़ी और फल का राशि के अनुसार दान करने पर पुण्य की भी प्राप्ति होती है। अंत में बच्चों के बीच पतंग वितरित किए गए। इस दिन पतंग उड़ाने का भी अपना अलग ही महत्व है। इनके बीच पतंगबाजी प्रतियोगिता कराई गई। प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।इस दौरान , समाजसेवी माया तिवारी,भारतीय सिंधू सभा अध्यक्ष नितिन वासवानी ,महामंत्री जिम्मी सितपाल, हिमांशू तिवारी, रुही गुप्ता, राहुल सिंह, विद्या तिवारी, सुरभि बैगा, अंकित कोल एवं सभी बच्चें उपस्थित रहे।

वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम के तहत स्वच्छता साथियों को वितरित किया गया स्वच्छता किट

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम के तहत जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम पंचायत दलसागर में आयोजित एक कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता साथियों को स्वच्छता किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, जिला पंचायत सदस्य सुश्री भारती केवट, जनपद अध्यक्ष श्रीमती धनमती सिंह, जनपद सदस्य श्रीमती राधा सिंह, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सहायक यंत्री, बीसी एसबीएम, ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव, और ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वच्छता किट का वितरण कर स्वच्छता साथियों के साथ ही ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया गया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है और हमें इसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

पत्नी से तंग आकर स्कूल कर्मचारी ने दी जान

शहडोल।

पारिवारिक रिश्तों में घुले जहर और पुलिसिया कार्रवाई के खौफ ने एक युवक को मौत गले लगाने पर मजबूर कर दिया। जैतपुर तहसील कार्यालय के सामने किराए के मकान में रहने वाले 34 वर्षीय राम नारायण कहार ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक एकलव्य आवासीय विद्यालय में भृत्य के पद पर पदस्थ था।

घटना की जड़ पत्नी लक्ष्मी कहार के साथ लंबे समय से चल रहा विवाद बताया जा रहा है। परिजनों का आरोप है कि पत्नी ने राम नारायण का जीना दूभर कर दिया था। छोटी-छोटी बातों पर थाने और सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करना उसकी आदत बन चुकी थी। हद तो तब हो गई जब घटना से महज 24 घंटे पहले, 12 जनवरी को पत्नी ने जैतपुर थाने में मारपीट का मामला दर्ज कराया। बार-बार के कानूनी झमेलों और समाज में होती बदनामी से आहत होकर राम नारायण ने घर के भीतर फंदा लगा लिया। हैरानी की बात है कि पति ने गृहक्लेश से बचने के लिए अपनी बूढ़ी मां और पैतृक घर तक छोड़ दिया था, लेकिन प्रताडऩा का सिलसिला नहीं थमा। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है, लेकिन सवाल वही है कि क्या कानूनी संरक्षण का दुरुपयोग किसी को मौत के मुहाने तक धकेलने का हथियार बन गया है।

इनका कहना है...

पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। पत्नी की शिकायत पर पति के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया। इसके अगले ही दिन पति ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अभिषेक दीवान
अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहडोल

युवा और महिला विंग को मिली नई कमान, अनादि निगम अध्यक्ष, हेमंत श्रीवास्तव को सचिव का दायित्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

स्थानीय जगन्नाथ चौक स्थित चित्रगुप्त मंदिर परिसर में चित्रगुप्त कायस्थ सभा द्वारा नव वर्ष मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक एकता, संगठनात्मक मजबूती और पारिवारिक सौहार्द का प्रतीक बना। आयोजन के दौरान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करते हुए सभा की मुख्य समिति, महिला समिति और युवा समिति का पुनर्गठन किया गया। चुनाव अधिकारी अनिल खरे एवं यश खरे की देखरेख में सर्वसम्मति से निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। समाज के प्रबुद्ध जनों ने पुरानी मुख्य समिति पर पुनः विश्वास व्यक्त करते हुए अनादि निगम को अध्यक्ष और हेमंत श्रीवास्तव को सचिव की जिम्मेदारी सौंपी।

समाज को गतिशील बनाने के उद्देश्य से महिला एवं युवा समिति में नए नेतृत्व का चयन किया गया। महिला समिति की कमान श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव (अध्यक्ष) एवं श्रीमती इंदु निगम (सचिव) को सौंपी गई। वहीं, युवा समिति में समीप श्रीवास्तव को अध्यक्ष और नवनीत श्रीवास्तव को सचिव चुना गया।धार्मिक अनुष्ठान और संकल्पनिर्वाचन के पश्चात उपस्थित चित्रांश बंधुओं ने भगवान चित्रगुप्त की सामूहिक आरती की। इसके उपरांत आयोजित स्नेह भोज में समाज के वरिष्ठों, महिलाओं और बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि वे समाज के उत्थान, युवाओं को संगठन से जोड़ने और महिला सशक्तिकरण के कार्यों को प्राथमिकता देंगे।इस अवसर पर कटनी जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कायस्थ परिवार उपस्थित रहे। कायस्थ समाज के उपस्थित वरिष्ठ जनों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से आपसी संवाद मजबूत होता है।

शिक्षकों को चतुर्थ समयमान वेतनमान प्रदान किए जाने पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

प्रदेश के कैबिनेट द्वारा पुराने संवर्ग के सहायक शिक्षक, उच्च श्रेणी शिक्षक, एवं नए संवर्ग के प्राथमिक शिक्षक एवं माध्यमिक शिक्षकों को चतुर्थ समय मान वेतनमान की स्वीकृति प्रदान किए जाने पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने स्वागत किया है। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के जनजातीय कार्य विभाग के प्रदेश संयोजक अनिल कुमार सिंह एवं संभागीय संगठन मंत्री डॉ. नरेंद्र पटेल ने अपने लिखित वक्तव्य में बताया है कि संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. छत्रबीर सिंह राठौड़ एवं महामंत्री राकेश गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल इसके लिए लगातार प्रयास रत रहा। जिसे कैबिनेट द्वारा 13 जनवरी को बहू प्रतीक्षित मांग की स्वीकृत प्रदान कर दी गई है जो प्रशंसनीय है। जो जुलाई 2023 से प्रभावशील होगा। सेवानिवृत शिक्षकों को भी इसका लाभ प्रदान किया जाएगा। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांताध्यक्ष डॉ. छत्रवीर सिंह राठौड़ द्वारा नवीन शिक्षक संवर्ग को प्रथम नियुक्ति तिथि से वरिष्ठता प्रदान किए जाने हेतु लगातार प्रयास किया जा रहे है जिस दिशा में उन्होंने प्रमुख सचिव शिक्षा से मुलाकात कर इस विषय पर चर्चा की। वहीं शिक्षा मंत्री एवं मुख्यमंत्री से प्रदेश स्तरीय सम्मेलन हेतु तारीख लिए जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला इकाई अनूपपुर ने चतुर्थ सम्मान वेतनमान के निर्णय का स्वागत करते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया है।

खबर संक्षेप

नदी का रेत दुनिया का सबसे उत्कृष्ट वाटर फिल्टर

हरभिमि न्यूज अनूपपुर। जनजातीय बहुल अनूपपुर जिले के बरबसपुर पंचायत के सीतापुर गाँव और जिला मुख्यालय की सीमा पर सोन नदी और तिपान के संगम मे मकर संक्रांति का मेला करने आई एक ग्रामीण महिला ने दुनिया के सामने विश्व के सर्वश्रेष्ठ नेचुरल वाटर फिल्टर का सीधा नमूना पेस किया। इस महिला और उसके बच्चे को प्यास लगी तो उसने सरकार, सिस्टम, किसी मंत्री, विधायक या नेता का मुंह नहीं देखा और ना ही कोई अपेक्षा की। उसने सहज भाव से वही किया जो प्रकृति पुत्रों ने सदियों से सीख रखा है। आप फोटो को ध्यान से देखें वह महिला नदी की रेत मे एक गड्ढा खोदती है। नदी के किनारे रेत पर बने इस गड्ढे मे दुनिया का सबसे शुद्ध जल एकत्रित होता है। उसे महिला बिना संकोच बडे सहज भाव से पी लेती है। यह फोटो तमाम प्रकृति प्रेमियों को प्रसन्न कर देगा और दुनिया के लिये सबक है कि प्रकृति को अपनाईये, उससे प्रेम कीजिये, उसका संरक्षण कीजिये तो ही प्रकृति आपका संरक्षण करेगी।

शासकीय महाविद्यालय राजनगर में थाना प्रभारी ने साइबर क्राइम से सतर्क रहने का छात्रों को दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज राजनगर। शासकीय महाविद्यालय राजनगर के एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन मंगलवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे थाना रामनगर के प्रभारी सुमीत कौशिक ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को डिजिटल साक्षरता साइबर क्राइम के बारे में बहुत ही आवश्यक एवं उपयोगी जानकारी प्रदान कि। इसी कड़ी में उन्होंने उपस्थित सभी विद्यार्थियों को व्हाट्स ऐप पर "2 स्टेप वेरिफिकेशन" करा कर व्हाट्स ऐप हैक होने से बचने का तरीका समझाया। शासकीय महाविद्यालय राजनगर के प्राचार्य सुनील भोसले ने मुख्य अतिथि तथा समस्त छात्र-छात्राओं को समस्त धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय राजनगर के एनएसएस प्रभारी दिग्विजय पाटिल ने आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय परिवार की ओर से डॉ. पूनम वैश्य, मनोज जायसवाल, रतन सेन, डॉ बी. एल. सिंह, अनुसूया प्रसाद रजक एवं समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर अनूपपुर के लिए डीएम ने जारी किए प्रतिबंधात्मक आदेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कार्यालय कलेक्टर अनूपपुर में जुलूस, आमसभा, नारेबाजी एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र के आए दिन उपयोग से कार्यालयीन एवं न्यायालयीन कार्य प्रभावित होता है एवं परिशांति भंग होने की संभावना बनी रहती है। जिसे दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट हर्षल पंचोली ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार कलेक्टर कार्यालय अनूपपुर के परिसर में ध्वनि विस्तारक यंत्र पर रोक लगाने हेतु प्रतिबंधात्मक क्षेत्र घोषित किया गया है। कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संगठन अथवा कोई भी आंदोलनकारी व्यक्ति इस परिसर में प्रतिबंधित रहेंगे। ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग उक्त परिसर एवं उससे लगे हुए 100 मीटर की परिधि में प्रतिबंधित किया गया है। ज्ञापन सौपे जाने के लिए कलेक्टर कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार (मेनगेट) पर ही शांतिपूर्ण ढंग से कानून व्यवस्था बनाए रखते हुए व्यक्ति/संगठन कार्यकर्ताओं द्वारा अधिकृत अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कोई भी दल/ संगठन/ आंदोलनकारी व्यक्ति, जुलूस/ आमसभा या नारेबाजी/ज्ञापन आदि सौंपे जाने से 3 दिवस पूर्व अनुविभागीय अधिकारी अनूपपुर से विधिवत लिखित में अनुमति प्राप्त करेंगे और निर्धारित स्थल पर ही उक्त गतिविधियां करेंगे। प्रतिबंधात्मक आदेश में उल्लेखित किया गया है कि आदेश का उल्लंघन किए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-223 के अंतर्गत अभियोजन की कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश 2 माह तक की अवधि के लिए प्रभावशील होगा।

अमरकंटक में मकर संक्रांति पर हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

मकर संक्रांतिः जिले भर में कई जगह लगा मेला

अखिल गोंडवाना गोंडी धर्म, संस्कृति एवं साहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन

जिला मुख्यालय के सोन-तिपान संगम मे दिखा आस्था व उल्लास का मेला

जिले में मकर संक्रांति का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। सूर्य देव के उत्तरायण होने के साथ श्रद्धालुओं ने अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, अनूपपुर, कोतमा, जैतहरी, राजनगर, बिजुरी सहित अन्य क्षेत्रों में नर्मदा, सोन, जुहिला, तिपान, केवई में शुभ मुहूर्त में डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर कई जगह मेले भी भरे और लोगों ने उत्साह से इसमें अपनी भागीदारी निभाई। अनूपपुर में सोन नदी के किनारे, राजेन्द्रग्राम, दूधी घाट, बरगवां सहित अन्य क्षेत्रों में मकर संक्रांति के पावन अवसर पर लोगों की आस्था और उल्लास देखने को मिला।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अमरकंटक में नर्मदा नदी में पवित्र स्नान के लिये भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी, अनूपपुर में सोन नदी के तट पर ऐसा ही नजारा देखने को मिला। पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में दूधीघाट, अनूपपुर में सोन तट एवं बरगवां में विशाल मेला भरा। मकर संक्रांति में तिल के उपयोग का महत्व है। प्रातः तिल से स्नान, सूर्यदेव को तिल मिले जल का अर्पण, भगवान शंकर एवं विष्णु को तिल मिष्ठान्न का भोग, तिल का हवन, भोजन में तिल का उपयोग तथा तिल गुड़ का दान किया गया। आज भगवान सूर्य की आराधना का महत्व है। इस दृष्टिकोण से अमरकंटक से उद्गम माँ नर्मदा नदी में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई व दान-पुण्य कर पूजन किया। इसी तरह से जिले के प्रवाहित पुण्य सलिल सोन नदी के तटों पर मेले लगे व दिनभर लोगों का नदी में स्नान करने का क्रम लगा रहा।

सोन-तिपान संगम में भरा दो दिन का मेला

मकर संक्रांति का पर्व जिले में बड़े ही धूम-धाम से मनाया गया। जिला मुख्यालय के सोन-तिपान नदी संगम पर मेला भरा, जहां हजारों श्रद्धालुओं ने स्नान किया और भगवान भोलेनाथ एवं सूर्य देव की पूजा अर्चना कर खरीदी की। नदी में स्नान करने के लिए लोगों की भीड़ सुबह से ही नदी पर देखी जा रही थी। लोग अपने परिवार व मित्रों के साथ नदी में स्नान करने के लिए पहुंच रहे थे। जिले के प्रवाहित पुण्य सलिल सोन नदी पर दिनभर लोगों का स्नान करने का क्रम लगा रहा। मकर संक्रांति के उपलक्ष्य में जिले में जगह-जगह मेलों का आयोजन किया जाता है जहां लोग पहुंचकर मेले का आनंद उठाते है।

हजारों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

पर्व के अवसर पर तड़के सुबह से ही मां नर्मदा के उद्गम कुंड, कपिलधारा, सोनमुड़ा सहित अन्य पवित्र घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा के पावन जल में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान के पश्चात मंदिरों में दर्शन-पूजन कर दान-पुण्य किया। कई भक्तों ने तिल, गुड़, खिचड़ी, वस्त्र एवं अन्न का दान कर धर्म लाभ कमाया। संपूर्ण क्षेत्र "जय मां नर्मदा" के जयकारों से गूंज उठा, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। पर्व को दृष्टिगत रखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल एवं स्वयंसेवकों की तैनाती के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु मार्गदर्शन, यातायात नियंत्रण एवं स्वच्छता व्यवस्था को सुचारु रखा गया। नगर परिषद द्वारा घाटों एवं प्रमुख धार्मिक स्थलों पर विशेष सफाई अभियान भी चलाया गया।

सीतापुर मेले में उमडी भीड़

मुख्यालय से लगभग तीन किमी दूर चंदास, सोन संगम में स्थित बाबा मढ़ी मंदिर में लोगों ने पूजा अर्चना की, तो वहीं सीतापुर पंचायत अंतर्गत सोन-तिपान नदी के संगम स्थल पर तट किनारे शिव मंदिर के सामने दो दिवसीय मेले की शुरूआत मंगलवार से हुई, सुबह से ही यहां ग्रामीणों व शहरवासियों का स्नान हेतु भीड़ लगा रहा। स्नान के बाद लोगों ने मंदिरों में पूजा अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया व गरीबों को दान दिया। दोपहर से मेले में भीड़ आना शुरू हो गया जो देर शाम तक जारी रहा।

बच्चों, महिलाओं में देखा गया उत्साह

मेले में मनोरंजन करने हर कोई पहुंचता है। अनूपपुर के सीतापुर मेले में वैसे तो छोटे-बड़े सभी आनंद उठाने पहुंचे लेकिन इसका उत्साह बच्चों और महिलाओं में काफी दिखाई दिया। बच्चों ने खान पान की ख्वाहिस पूरी की, फिर गुब्बारे, खिलौने व बांसुरी का क्रय किया मेले में खिलौने की दुकान पर बच्चों की सर्वाधिक भीड़ रही। इसी तरह झूला झूलकर बच्चों ने खूब मस्ती की।

यहां भी लगे मेले

जिले के प्रत्येक तहसील में नदी व धार्मिक स्थलों पर मेला लगा इनमें बरगवां सोडा फैक्टरी के समीप, सोन नदी के किनारे हनुमान मंदिर के पास विशाल मेला शुरू हुआ। बाबाकुटी, सकरा पंचायत अंतर्गत बकान नदी, परासी के पास लखन घाट, कोतमा क्षेत्र के बैहाटोला पंचायत अंतर्गत झीकी ढहरा, पिपरिया पंचायत के जोगीटोला अंतर्गत केवई नदी किनारे मेला लगा हुआ है। इसी प्रकार जैतहरी में ग्राम चोलना के समीप, पुष्पराजगढ़ के शीशघाट आश्रम में नर्मदा नदी के तट पर एक दिवसीय मडई मेला, मनेन्द्रगढ़ मार्ग में स्थित सिद्घबाबा मंदिर के पास व राजनगर तुर्राधाम में मेला भरा सभी जगह मेला लगा हुआ है।

अखिल गोंडवाना गोंडी धर्म, संस्कृति एवं साहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन

पावन तीर्थ नगरी अमरकंटक में अखिल गोंडवाना गोंडी धर्म, संस्कृति एवं साहित्य सम्मेलन एवं फड़ापेन महापूजन का भव्य आयोजन 11 जनवरी से 14 जनवरी तक किया जा रहा है। यह आयोजन विगत 24 वर्षों से निरंतर अमरकंटक में आयोजित होता आ रहा है, जिसमें देशभर से गोंडवाना समाज के धर्माचार्य, विद्वान, युवा, मातृशक्ति एवं समाजसेवी भाग लेते हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तिरुमाल के.पी. प्रधान रहे, जबकि अध्यक्षता तिरुमाल इंद्रपाल सिंह मरकाम करेंगे। कार्यक्रम की रूपरेखा इस प्रकार रही 11 जनवरीः गोंडवाना जन-जागरण कार्यक्रम, मां दी पांडा पूजा एवं गोंडवाना गोकुल दर्शन। 12 जनवरीः गोंडवाना युवा सम्मेलन, सांस्कृतिक एवं सामाजिक जनचेतना पर विचार गोष्ठी, गोंड-गोंडी गोंडवाला युवा मंडल की सहभागिता, तथा गोंडवाना संस्कृति एवं कला पर आधारित प्रस्तुतियां। 13 जनवरीः गोंडवाना गोंडी धर्म संसद, गोंडी भाषा एवं साहित्य पर मंथन, तथा गोंडवाना मातृशक्ति महासभा सम्मेलन। 14 जनवरीः प्रथम पाली में नर्मदा परिक्रमा, गोंडी पूनम संस्कृति साहित्य सम्मेलन, गोंडवाना साम्राज्य के ऐतिहासिक महत्व पर व्याख्यान, तथा गोंडवाना राजाओं के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह। आयोजकों के अनुसार यह सम्मेलन गोंडी धर्म, संस्कृति, भाषा एवं साहित्य के संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ समाज में जागरूकता एवं एकता का संदेश देता है। अमरकंटक में आयोजित यह चार दिवसीय आयोजन गोंडवाना समाज की गौरवशाली परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

चटुआ के जंगल में हिंसक वन्यप्राणी ने किया गाय का शिकार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वन परिक्षेत्र अनूपपुर के अंतर्गत चटुआ गांव के जंगल में बुधवार की सुबह एक गाय पर हिंसक वन्यप्राणी द्वारा हमला कर गाय को मृत करने के बाद मांस खा जाने की घटना की सूचना पर वन विभाग का दल मौके पर पहुंचकर जांच की। वन परिक्षेत्र अनूपपुर अंतर्गत भोलगढ़ बीट के ग्राम पंचायत मझंगवा के चटुआ गांव से लगे जंगल में बुधवार की सुबह-सुबह एक हिंसक वन्यप्राणी द्वारा चटुआ गांव निवासी इंद्रभान सिंह पिता स्व, मान सिंह गोंड की एक चार-पांच वर्ष के गाय पर हमला कर मृत करने बाद मृत मवेशी के शव का मांस खाए जाने की सूचना पशु मालिक द्वारा दिए जाने पर वन विभाग के कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा एवं अन्य कार्यवाही कर जांच की है यह वन क्षेत्र होने के कारण वन्यप्राणियों का विचरण क्षेत्र होने से आहार की तलाश में वन्यप्राणी द्वारा पालतू मवेशियो का भी शिकार कर मांस को अपना आहार बनाते हैं वही एक हिंसक वन्यप्राणी तेंदुआ वन परिक्षेत्र जैतहरी के क्योटार के रोहिलाकछार एवं पड़रिया पंचायत के चोई वन क्षेत्र एवं वन क्षेत्र से लगे गांव टोला/मोहल्ला में निरंतर चार दिनों से विचरण कर एक मवेशी पर हमला कर घायल करने एवं निरंतर विचरण करने से ग्रामीण चिंतित तथा भयभीत है, वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को वन्यप्राणियों के विचरण की संभावना को देखते हुए किसी भी परिस्थिति में स्वयं जंगल नहीं जाने एवं मवेशियों को जंगल नहीं ले जाने, शाम होते ही जंगल से गुजरने वाले पगडंडी रास्तों से आवागमन नहीं करने तथा सावधानी बरतने की बात कही है।

स्वामी विवेकानंद जयंती पखवाड़े पर जिला स्तरीय व्यख्यान माला का हुआ आयोजन

ग्रामोदय से अभ्युदय तक पखवाड़ा कार्यक्रम का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला अनूपपुर द्वारा 13 जनवरी स्वामी विवेकानंद जयंती व्याख्यानमाला का आयोजन कलेक्ट्रेट सोन सभागार कक्ष अनूपपुर में आयोजित किया गया। ग्रामोदय से अभ्युदय, विवेकानंद जयंती पखवाड़ा अंतर्गत उनके जीवन दर्शन पर व्याख्यानमाला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य व सभापति सहकारिता समिति नर्मदा सिंह व मुख्यवक्ता शासकीय तुलसी एक्सीलेंस महाविद्यालय अनूपपुर के प्राध्यापक नीरज सोनी की उपस्थिति मे संपन्न किया गया। अतिथियों द्वारा भारत माता व स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नर्मदा सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत के महान संत विचारक थे उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास और साहस का मार्ग दिखाया उनके जीवन हमें सिखाता है की कठिनाइयों से डरना नहीं चाहिए उनके विचार आज भी हमें आगे बढ़ाने की प्रेरणा प्रेरणा देते हैं हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर देश और समाज की सेवा करनी चाहिए उन्होंने कहा कि विवेकानंद जयंती पखवाड़ा हमें राष्ट्र निर्माण चरित्र निर्माण और मानव सेवा के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने जन अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि जन अभियान परिषद समाज सेवा राष्ट्र सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रहा है चाहे वह जल संचय अभियान अंतर्गत बोरी बंधान स्वच्छता अभियान पर्यावरण का संरक्षण या समाज सेवा हो इस पर निरंतर कार्य किये जा रहे हैं। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नीरज श्रीवास्तव ने विवेकानंद की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विवेकानंद युवा अवस्था में ही ज्ञान और सत्य की खोज में निकल पड़े थे उन्होंने युवा शक्ति को देश की सबसे बड़ी सख्त के रूप में माना है आत्म और साहस बाल और चरित्र निर्माण पर स्वामी विवेकानंद ने प्रबलता से जोड़ दिया दुर्बलता को उन्होंने पाप की संज्ञा दी है उन्होंने शिक्षा को महत्व देते हुए बताया कि शिक्षा का अर्थ अंदर छिपी शक्ति को बाहर लाना है केवल किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि जीवन मूल्यों की शिक्षा आवश्यक है राष्ट्र निर्माण में विवेकानंद का आत्मनिर्भर भारत का सपना था। उन्होंने राष्ट्र सेवा के लिए युवाओं को प्रेरित किया तथा समाज सुधार और समाज सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में जानकारी देते हुए ब्लॉक फत्ते सिंह ने बताया कि विवेकानंद जयंती पखवाड़ा हरवर्ष 12 जनवरी से प्रारंभ होकर 15 दिनों तक मनाया जाता है जिसे 26 जनवरी तक मनाया जाएगा। जिसमें भाषण निबंध लेखन वाद विवाद योग ध्यान स्वच्छता अभियान और युवा जागरुकता के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन पुष्पेंद्र नामदेव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था परामर्शदाता प्रस्फुटन समिति के सदस्य सीएमसीएलडीपी छात्र प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों का बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को सशक्त बनाएं शिक्षक-सीईओ

सर्व शिक्षा अभियान के कार्यों की जिला पंचायत सीईओ ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले के सभी प्राथमिक शालाओं में कक्षा एक से तीन के बच्चों हेतु बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफएलएन) के तहत किए गए कार्यों की मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में समीक्षा करते हुए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने कहा है कि कक्षा 1 से 3 तक के सभी विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान तथा बुनियादी साक्षरता को मजबूत करने के सशक्त प्रयास किए जाएं। बैठक में सर्व शिक्षा अभियान की डीपीसी, बीआरसीसी, एपीसी तथा जन शिक्षक उपस्थित थे। बैठक में सीडब्लूएसएन विद्यार्थियों के चिन्हांकन, स्कूल भवनो के छोटे मरम्मत कार्यों को कराए जाने, शिक्षकों व विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, स्कूलो में विद्युतीकरण कार्य, स्कूलों में स्वच्छ जल की उपलब्धता, हैंड वॉश यूनिट के क्रियान्वयन, ड्रॉपबॉक्स के बच्चों का चिन्हांकन आदि विषयों की विस्तृत समीक्षा कर जन शिक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान के सभी पैरामीटर पर उल्लेखनीय कार्य संपादित करने के लिए विकास खंड स्त्रोत समन्वयकों को निर्देशित किया।

मकर संक्रांति पर महिलाओं के हौसलों को मिली नई उड़ान

ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 'हौसलों की उड़ान' कार्यक्रम का सफल आयोजन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत ब्लॉक स्तर पर स्व-सहायता समूहों द्वारा "हौसलों की उड़ान" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जिला मिशन प्रबंधक के मार्गदर्शन में तथा जिला कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह के निर्देश एवं जिला जेंडर प्रभारी श्रीमती अंजू द्विवेदी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। विकासखंड जैतहरी के प्रबंधक कन्हैया लाल पटेल के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत सोन-तिपान संगम, सीतापुर बरबसपुर मेला परिसर में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं (दीदियों) एवं उनके परिवारजनों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम में सहायक विकासखंड प्रबंधक जैतहरी श्रीमती संध्या मिश्रा एवं एकता संकुल संगठन की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती रेखा द्विवेदी की विशेष उपस्थिति रही। मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में समूह की दीदियों एवं उनके परिवारों के साथ गुड़, तिल एवं खिचड़ी का वितरण किया गया तथा पारंपरिक पतंगबाजी कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे आयोजन में उल्लास, आपसी सौहार्द एवं सांस्कृतिक रंग देखने को मिले। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्व-सहायता समूहों की महिलाओं में आत्मविश्वास का विकास, आपसी एकजुटता को सुदृढ़ करना, सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण तथा आजीविका सशक्तिकरण को बढ़ावा देना रहा। महिलाओं ने सामूहिक सहयोग एवं समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनाकर अपनी संगठनात्मक क्षमता का परिचय दिया। ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से आयोजित यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता, महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन की दिशा में एक प्रेरणादायक, विकासशील एवं सराहनीय पहल के रूप में सामने आया, जो ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मजबूत संदेश देता है।